विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–5 | अंक–14 | जनवरी–मार्च, 2017

www.vidyabhawan.org

खुला पत्र

प्रो. दिव्य प्रभा नागर

दिनांक 16 जून, 2017 के दिन राजस्थान पत्रिका के उदयपुर संस्करण के पृष्ठ संख्या 11 पर "पेरेंटिंग और रिलेशन" पर विशिष्ट सामग्री प्रकाशित की गई है। शीर्षक पढ़ते ही मन संवेदनशील हो उठा- 'भारतीय परिवारों में कम हो रहा है बुजुर्गों का सम्मान' शीर्षक से जारी लेख में वर्तमान परिस्थितियों से सम्बन्धित कटु सत्य एवं तथ्य सामने रखे गये हैं। भारतीय संस्कृति के संदर्भ में यदि विश्लेषण किया जाये तो शर्मजनक स्थिति है।

युवा वर्ग व्यस्त नहीं अत्यधिक व्यस्त है। समय नहीं है घर के बड़े बुजुर्गों की बात सुनने, सहयोग करने या सुविधा का ख्याल करने का। यही कारण है कि बुजुर्ग स्वयं को हाशिये पर महसूस करते हैं। उन्होंने अपने बुजुर्गों को पूर्ण सम्मान दिया, सामने नहीं बोले, व्यस्तता में से भी समय निकाला, अपना स्वामित्व प्रदर्शित करने का प्रयास नहीं किया, किन्तु आज जब वे स्वयं बुजुर्ग की श्रेणी में खड़े हैं तो असहाय तथा नितान्त अकेले हैं। पोते-पोती, दोहते-दोहिती कोई भी तो पास बैठने को तैयार नहीं। सोचते हैं, हमने तो ऐसा नहीं सिखाया था। हमसे कहां भूल हुई पालन-पोषण में। यह क्या हुआ?

जो भी है, आज चिन्ता का विषय है। मस्तिष्क में एक प्रश्न उठा है कि ये बुजुर्ग बोझ हैं? समाज व परिवार की एक अनुत्पादक कड़ी हैं? क्या ये परिवार व समाज के लिए किसी भी काम के नहीं? लिखा है कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी नहीं। घर के बाहर भी स्थिति चिन्ताजनक है। पेंशन भी नाकाफी है। जायें तो जायें कहां? समाचार पत्रों में ही यह भी पढ़ने में आता है कि जमीन-जायदाद, गहने, जमा-पूंजी हड़पने के लिए बुजुर्गों को मार दिया जाता है। इससे स्पष्ट है कि युवा वर्ग को जमा-पूंजी तो चाहिए, वे नहीं चाहिए। हक/अधिकार चाहिए, जिम्मेदारी नहीं। क्या बात है, मित्रों?

शिक्षा जगत में काम करने का दावा करने वाले हम लोग क्या कर रहे हैं? इस संदर्भ में तो हमें बालक, युवा तथा अभिभावक सभी को सचेत करना होगा। ऐसा मुझे लगता है। आप भी अपना विचार बताएं। मुझे लगता है कि हम समय-समय पर इस बात के लिए सचेत करें कि-

शेष पृष्ठ 2 पर...

अंदर देखें...

- ✓ बसन्तोत्सव का आयोजन 3
- ✓ स्पोर्ट्स-डे, वार्षिक खेल दिवस 4
- ✓ साइंस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट एक्जीबिशन 5
- ✓ 68वां गणतंत्र दिवस 6
- ✓ 'पॉजिटिव एटिट्यूड' जरूरी 7
- ✓ शिक्षा में अनुसंधान पर कार्यशाला 9
- ✓ वनशाला में डिजीटल जागरूकता 11
- ✓ केवीके राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत 14

विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित पुस्तक मेला

सम्पादकीय...

पिछले तीन महीनों में कई शैक्षिक और सहशैक्षिक गतिविधियां आयोजित हुईं। विद्या भवन के स्कूलों में बसंतोत्सव, मकर सक्रांति एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं तो रूरल इंस्टीट्यूट में सभी ने मिल कर गणतंत्र दिवस मनाया। पॉलीटेक्निक में सेमीनार आयोजित हुए तो शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण आयोजित हुए। केविके में नवाचार हुए। शिक्षा केन्द्र ने लिंक प्रोजेक्ट के माध्यम से सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ नई उड़ान भरी। ये सभी गतिविधियां एवं प्रयोग गुणवत्ता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा है।

स्कूल के लिए फरवरी 2017 का महीना विशेष रहा। संस्था के छात्र गुणवंत का स्वागत एवं उनसे रूबरू होने का मौका मिला। स्कूल के साथ ही विद्या भवन परिवार को बहुत प्रसन्नता हुई कि उनका एक छात्र कई वर्षों बाद अपनी मातृ संस्था में आया, अपना स्कूल, हॉस्टल का वह कमरा देखा जहां उन्होंने समय बिताया। यह पल न केवल गुणवंत के लिए बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी गौरवपूर्ण थे। गुणवंत ने वर्तमान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया कि दोनों हाथ न होते हुए भी उन्होंने तमाम चुनौतियों को मात देते हुए कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। गुणवंत का स्कूल में सम्मान किया गया जो कि हमारे लिए अनुकरणीय है।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
डॉ. गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

मन में जज्बा तो सब संभव

पैर से कलम, कूची और छेनी पकड़कर अपने सपनों की दुनिया को रचने वाले गुणवन्त सिंह देवल का कहना है कि मन में जज़्बा हो तो सब कुछ सम्भव है। जिनके हाथ हैं वे उनसे भीख भी मांग रहे हैं और आतंकी हिंसा भी कर रहे हैं, इसलिए हाथ या शरीर का कोई अंग नहीं होने से फर्क नहीं पड़ता, बल्कि हमारी सोच और प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं।

विद्या भवन के पूर्व छात्र गुणवन्त सिंह देवल ने 24 जनवरी 2017 को उदयपुर में हुए कार्यक्रमों में जहां दिव्यङ्गों के सबलीकरण पर विचार रखे वहीं विद्या भवन स्कूल में अपने छात्र जीवन की मधुर स्मृतियों को ताजा किया। गुणवन्त विद्या भवन स्कूल आये जहां वे तीन वर्ष पढ़े थे। उन्होंने अरावली हॉस्टल में अपना कमरा देखा। स्कूल के सभागार में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, विद्या भवन सोसाइटी के पदाधिकारियों और विद्या भवन के पूर्व विद्यार्थियों ने उनका स्वागत किया। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि विद्या भवन ने हमेशा विशिष्ठ बच्चों को जगह दी है। गुणवन्त ने विपरीत परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया है।

शेष पृष्ठ 6 पर...

...पृष्ठ 1 का शेष

- बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक परिवर्तन के साथ बुजुर्गों की कार्य-क्षमता में कमी आती है। वे धीरे-धीरे असहाय होने लगते हैं।
- भारत सरकार की पेन्शन नीति उन्हें पूर्ण आर्थिक सम्बल प्रदान नहीं करती।
- इस असहाय स्थिति एवं निर्भरता के कारण उनके स्वभाव एवं व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। धीरे-धीरे वे निराशा, नकारात्मकता, दबाव एवं अवसाद के शिकार होने लगते हैं। उस पर हमारे द्वारा उनकी उपेक्षा करना आग में घी डालने का काम करता है।

क्या आप और हम मिलकर कुछ ऐसा वातावरण बना सकते हैं, जिससे-

- बुजुर्ग शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहें।
- वे परिवार के लिए स्वयं को उपयोगी मानें।
- परिवार के सदस्यों से जुड़ा रहे।
- उसके मित्र एवं परिचितों का सम्मान करें।
- कुछ समय उनके लिए निकालें। चाहे चाय-पीने के बहाने ही सही, उनके पास बैठ लें।
- घर से जाते समय उनको सूचित व सावधान कर दें।
- उन्हें छोटे-छोटे लक्ष्य दें, जिसे वे अपनी क्षमता से पूर्ण कर सकें।
- उन्हें आराम करने के तरीके समझाएं।
- उन्हें मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराएं।
- इन्टरनेट आदि आधुनिक तकनीक का सामान्य प्रयोग सिखा दें।
- उनके अनुभव समय-समय पर सुनें। यहीं तो उनकी पूंजी है।
- पोष्टिक भोजन के प्रति सचेत करें।
- संगीत, पुस्तक पठन, भ्रमण, घरेलू खेल आदि से उनके खाली समय की रिक्तता पूर्ण करने हेतु प्रेरित करें।

ये छोटे-छोटे हमारे अभ्यास बुजुर्गों की रिक्तता ही दूर नहीं करेंगे वरन वे स्वस्थ्य रहेंगे। आपके सहयोगी होंगे। उनके अनुभव आपके कृत्यों के लिए पूंजी बनेंगे और समाज व परिवारों में एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ स्वस्थ्य वातारण का विकास होगा तथा स्वस्थ समाज की स्थापना हो सकेगी।

दिव्य प्रभा नागर
निदेशक,
विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

बसन्तोत्सव का आयोजन

बसन्तोत्सव पर समूह नृत्य आयो बसंत, रंगीलो राजस्थान, पतंग उड़ी-उड़ी जाय व घूमर आदि द्वारा प्रकृति चित्रण प्रस्तुत किया गया। विद्याबंधु गोपाल बम्ब ने कविताएं प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि मंजू चतुर्वेदी एवं विशिष्ट अतिथि अशोक यादव ने विद्यालय में बिताये समय के संस्मरण सुनाए। सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने छात्रों को पुरानी परम्पराओं को यथावत बनाते हुए शिक्षा को जीवित रखने, एक अच्छे नागरिक बनने तथा शिक्षा के अंधकार को दूर कर समाज में भाई-चारे को बढ़ावा देने की बात कही। इस मौके पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सपना गमेती, कुसुम राजपूत, पायल उपाध्याय, नेहा चौहान को मिला।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद का उद्घाटन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने किया। प्रथम दिन नर्सरी विभाग, द्वितीय व तृतीय दिन जूनियर विभाग एवं चौथे व पांचवे दिन सीनियर विभाग के खेल-कूद हुए। जनरल चैम्पियनशिप अंजलि निनामा, डालू गमेती व अजय कुमार मीणा की रहीं। सीनियर बॉयज में विशाल कौशल्य तथा सीनियर गर्ल्स में सुमन चैम्पियन रहीं। जूनियर बॉयेज में हिमांशु लौहार तथा सब जूनियर बॉयेज में कुन्दन मेघवाल प्रथम रहे। इस अवसर पर अभिभावकों की भी रेस करवाई गई।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व छात्र नरेन्द्र मारू, विद्या भवन विद्याबंधु संघ की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा, विद्याबंधु संघ सचिव जगमोहन दवे एवं सदस्य जय प्रकाश श्रीमाली व ए. एस. जोधा उपस्थित थे ।

विज्ञान सप्ताह आयोजन

विज्ञान दिवस के उपलक्ष में मॉडल एवं चार्ट प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद तथा निबन्ध प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगितानुसार विवरण निम्नलिखित है :-

मौखिक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रति राजनन्दिनी मेघवाल, आशा देवड़ा, राजकुमार कसौटा व सुरभि कुमावत की टीम विजय रही। चार्ट प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग) में प्रथम सोनिया कलासुआ रही। मॉडल (सीनियर वर्ग) में प्रथम विकास पालीवाल, अनिल ओड़ एवं राहुल पालीवाल द्वारा बनाया गया मॉडल रहा। चार्ट (मिडिल वर्ग) में प्रथम दिव्या मीणा रही। मॉडल (मिडिल वर्ग) में प्रथम नेहा रही। वाद-विवाद में रोशनी लबाना प्रथम तथा निबंध में आशा देवड़ा प्रथम रही।

छात्रवृत्तियों का वितरण

विद्याभवन विद्याबंधु संघ द्वारा प्रतिवर्ष दी जाने वाली स्कॉलरशिप इस वर्ष 29 विद्यार्थियों को वितरित की गई । मुख्य अतिथि विद्या भवन की पूर्व छात्र सावित्री बापना, विशिष्ट अतिथि विद्याबंधु संघ की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा व आमोद प्रमोद मंत्री गोपाल बम्ब थे।

झलकियां

युवा दौड़- विवेकानन्द जयन्ती पर अध्यापक मोहनलाल जोशी व विजय गोयल के मार्गदर्शन में कक्षा-9 के विद्यार्थियों ने फतहसागर पर युवा दौड़ में भाग लिया।

स्काउट शिविर - राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाईड मण्डल मुख्यालय के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय, तृतीय सोपान के आवासीय शिविर में दीपेश कुमार मीणा, पुष्पेन्द्र मीणा, जीतेन्द्र मीणा, ईश्वरलाल मीणा, आशीष मसार, दिनेश मीणा, राकेश कुमार पारगी, दीपक मीणा, अनिल गरासिया व सुरेश गरासिया ने भाग लिया। स्काउट मास्टर सुशील जोशी थे।

प्रश्नोत्तरी- आलोक स्कूल के इंटरेक्ट क्लब की ओर से आयोजित महाराणा प्रताप सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी के कनिष्ठ वर्ग में रिंकल कुँवर सिसोदिया ने प्रथम तथा वरिष्ठ वर्ग में कुसुम राजपूत को सांत्वना पुरूस्कार मिला।

वाद-विवाद- मातृ मंगल ट्रस्ट द्वारा 25वीं विद्यालय स्तरीय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय भूपालपुरा में हुई। कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की भावना डांगी ने 'विमुद्रीकरण द्वारा काला धन, भ्रष्टाचार तथा आतंकवाद नियंत्रित किया जा सकता है' के पक्ष में तथा हेमलता परमार ने विपक्ष में विचार रखे।

विज्ञान प्रोजेक्ट- गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तरफ से विज्ञान प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मोहन कुमावत व भवानी सिंह को सांत्वना पुरूस्कार स्वरूप रु. 3000 प्रदान किए गए।

कविता प्रतियोगिता- अंग्रेजी कविता प्रतियोगिता में कक्षा 7 के जितेन्द्र कुमार निनामा प्रथम रहे।

सूडोकू- "सूडोकू" प्रतियोगिता में विद्यालय के 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान पर कक्षा 8 ए की आयशा बानू रही।

बाल कवि सम्मेलन- महावीर एकेडेमी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, गायरियावास में बाल कवि सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 9-ए की सपना गमेती ने भाग लिया।

शनिवारीय सभा

विद्याभवन के पूर्व छात्र वरिष्ठ अध्यापक चन्द्र शेखर पुरोहित ने बचपन की यादों को रूबरू कराते हुए बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी हेतु मार्गदर्शन देते हुए प्रश्नों का उत्तर लिखते समय शब्द सीमा ध्यान रखने हेतु प्रेरित किया।

पूर्व छात्र नरेन्द्र शर्मा ने अपनी बातचीत में कहा कि विद्यार्थियों को सपने देखने चाहिए तथा उन सपनों को सफल बनाने हेतु अपने गुरुजनों से प्रश्नोत्तर कर उनका हल प्राप्त करना चाहिए।

विज्ञान शिक्षा से सम्बन्धित एम.के. जैन ने 'पढ़ो, पढ़ने से दुनिया बदलती है' का मंत्र विद्यार्थियों को दिया ।

शेष पृष्ठ 5 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

मकर संक्रान्ति पर्व मनाया

मकर सक्रान्ति पर उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि, व विद्या भवन देवाली स्कूल के बीच वॉलीबॉल का मैच खेला गया। रामगिरि ने मैच जीता। विद्यार्थियों ने सितोलिया खेला। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ अजय एस. मेहता के दीप प्रज्जवलन से हुआ। विद्या भवन की संस्थाओं से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। रामगिरी विद्यालय से नाटक द्वारा जानवरों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करने का संदेश दिया गया। प्राइमरी सेक्शन के नन्हें-मुन्नों ने जंक फूड से होने वाले दुष्प्रभावों को बताया। इस मौके पर रंगोली प्रतियोगिता भी हुई। सीनियर वर्ग में निर्मला पंवार, पूजा पालीवाल, शिवानी वैष्णव, वर्षा लौहार, हीना डांगी प्रथर तथा जूनियर वर्ग में नेहा सैनी, भावना भाट, पायल पटेल, सलोनी लौहार, करिश्मा नागदा, हीना लौहार, पूजा डांगी, पूनम चौबीसा द्वितीय रही।

सांस्कृतिक प्रस्तुती देते विद्यार्थी

डेन्टल चेकअप

विद्यालय में विद्यार्थियों को डेन्टल चेकअप हेतु दर्शन डेन्टल कॉलेज ले जाया गया। वहां उनका चेकअप कर यथोचित सलाह व सुझाव दिए गए।

क्षेत्रीय अध्ययन

बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भूगोल प्रायोगिक विषय के अंतर्गत क्षेत्रीय अध्ययन किया। भूगोल शिक्षक कमलेश शर्मा के दिशा निर्देशन में विद्यालय के समीप फेरनियों का गुड़ा गांव का क्षेत्रीय अध्ययन किया। विद्यार्थियों को चार टीमों में बांटकर क्षेत्र की स्थिति, उच्चावच, धरातलीय स्वरूप, जल प्रवाह, मृदा, वनस्पति, कृषि, सामाजिक स्वरूप, पशुधन, जंनसख्या, आवागमन के साधन तथा सरकारी योजनाओं आदि के बारे में जाना।

स्पोर्ट्स-डे, वार्षिक खेल दिवस

अध्ययन के साथ-साथ खेलना भी बच्चों के विकास के लिए जरूरी है। खेल बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अनिवार्य है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में खेल दिवस का आयोजन किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य ई.एच. काजी ने विद्यार्थियों को खेल भावना के साथ खेलने की शपथ दिलवाई। विद्यार्थियों ने भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, 100, 200, 400 व 800 मीटर दौड़ तथा नन्हे मुन्ने बच्चों ने मेढ़क रेस, टॉफी रेस, चेयर रेस, चम्मच रेस में भाग लिया।

बालिका किशोरावस्था पर वर्कशॉप

विद्यालय में माध्यमिक स्तर की छात्राओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सेवा मंदिर की लक्ष्मी ठाकुर तथा रेहाना ने छात्राओं को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक तथा मानसिक परिवर्तनों से अवगत कराया तथा बताया कि कोई भी फैसला आवेश में नहीं लेना चाहिए।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया

विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। शिक्षक कमलेश शर्मा के दिशा निर्देशन में कृमि नियन्त्रण की दवाई खिलाई गईं। यह दवाई खाने से बच्चों में होने वाले दुष्प्रभाव जैसे खून की कमी, पेट दर्द, उल्टी और दस्त से मुक्ति मिलती है तथा उनका शारीरिक तथा मानसिक विकास सही ढंग से होता है।

मातृभाषा में संवाद जरूरी

विद्यालय में इंग्लिश एण्ड फोरेन लेंग्वेजेस यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर गीता ने भाषा संबंधित कठिनाईयों पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यार्थियों के साथ मातृभाषा में भी संवाद किया जाना चाहिए।

विदाई समारोह

कक्षा 12 के विद्यार्थियों के विदाई समारोह पर उनके आगामी बोर्ड परीक्षा हेतु शुभकामनाएं दी गई। प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने विद्यार्थियों को आशीर्वचनों द्वारा अनुगृहित कर उन्हें अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने हेतु मार्गदर्शन किया।

कठपूतली खेल देखा

प्राइमरी सेक्शन में बच्चों के लिये कठपूतली कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में कुछ बच्चों के अभिभावकों द्वारा ही कठपूतली खेल दिखाया गया। बच्चों को भी राजस्थान की लोक कला से अवगत होने का मौका मिला तथा वे अपनी इस लोक संस्कृति को देखकर काफी खुश हुए।

चित्तौड़ का भ्रमण

विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्थल चित्तौड़ का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने चित्तौड़ दुर्ग में स्थित समृद्धेश्वर मंदिर, कालिका मंदिर, मीरा मंदिर, विजय स्तम्भ का अवलोकन किया। विद्यार्थियों को ऐतिहासिक वास्तुकला व स्थापत्य कला को समझने का मौका मिला।

अभिभावक सम्मेलन

विद्यालय में अभिभावक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के व्यवहार व अर्द्धवार्षिक परिणाम पर विचार विमर्श करने हेतु उनके अभिभावक को विद्यालय में आमंत्रित किया गया।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

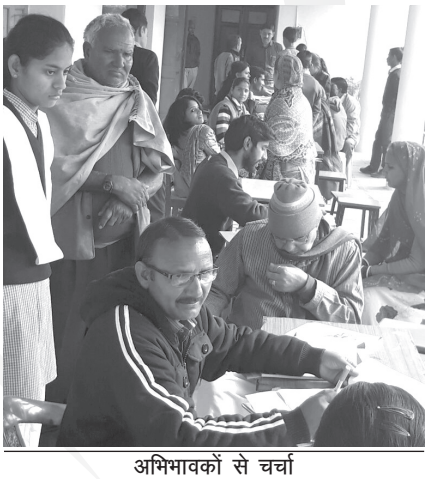

अभिभावकों से चर्चा

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता

विद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, बेडमिन्टन टी.टी और दौड़ हुई। बेडमिन्टन में कक्षा-6 से 8 बालक वर्ग में हर्ष मालवीया एवं बालिका वर्ग में मंशा जोशी विजयी रहे। कबड्डी में ग्रीन हाउस विजेता रहा। स्लो साईक्लिंग रेस में कमलेश डांगी ने विजेता का खिताब जीता। प्राथमिक कक्षाओं की प्रतियोगिताओं में ड्रीस आयोजित हुई। उसके बाद बनाना रेस, बाधा दौड़, फ्रांग रेस, रेडी फॉर स्कूल रेस, रेडी फॉर स्कूल रेस, प्लाटेसन रेस आदि प्रतियोगिताएं हुई, इसमें छोटे बच्चों ने काफी मनोरंजन किया। वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर ब्लू हाउस प्रथम, ग्रीन हाउस द्वितीय एवं यलों हाउस तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टर दिव्यांश सोनी थे। विद्यालय की प्रधानाचार्य नीरजा जैन व मुख्य अतिथि ने बच्चों को पारितोषिक वितरित किए।

साइंस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट एक्जीबिशन

विद्यालय में साइंस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शनी लगी। विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से कई कार्यात्मक मॉडल तैयार किए जिनमें बांस की टोकरियां, क्लोथ बेग्स, वर्ली आर्ट मार्बल आर्ट, ऑरिगेनी, रंगोली, मेंहदी प्रदर्शित किए गए। बच्चों ने आगन्तुक अभिभावकों और अतिथियों को हस्तनिर्मित मॉडलों की जानकारियां दी। विज्ञान प्रदर्शनी में वॉटर अलार्म, हाइड्रोलिक प्रेशर, ड्रिप एरीगेसन, सीवेज ट्रीटमेन्ट आदि के मॉडल प्रदर्शित किए गए जो प्रशंसित व सराहनीय रहे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि

संगीत संध्या मंथन में बच्चों की धूम

विद्यालय के मैदान पर वार्षिक संगीत संध्या मंथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बच्चों ने स्वागत गीत से किया। छोटे बच्चों ने मनमोहक कव्वाली 'छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइके' की प्रस्तुती दी। इसके बाद शहर नाटक का मंचन हुआ। छोटे बच्चों ने सूफी संस्कृति को दर्शाता सूफी ड्रामा एवं छात्राओं द्वारा भांगड़ा नृत्य किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं द्वारा वाद्य यंत्रों का स्व संचालन करते हुए आर्केस्ट्रा प्रस्तुत किया।

राग बसंत पर गायन, वादन व नृत्य

बसंत पंचमी उत्सव हिन्दी मीडियम स्कूल के प्रांगण में मनाया गया। विद्या भवन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा श्रुत बसंत में राग बसंत का क्या महत्व होता है और कैसे प्रकृति में परिवर्तन आते हैं, यह हवेली संगीत के कृष्णदास द्वारा लिखित एक पद के माध्यम से शास्त्रीय गायन, वादन व नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसके बोल और राग 'सब बने बाराती दुल्हा राग बसंत' थे।

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को विदाई

कक्षा 12वीं के अध्ययनरत विद्यार्थियों का विदाई समारोह विद्यालय के नवनिर्मित सभागार में मनाया गया। कक्षा 9 के मोहम्मद सारिक एवं नेहा टांक ने कार्यक्रम का संचालन किया। मानसी, ममता, दिव्या, पूजा और मनाली ने नृत्य प्रस्तुत किया। लिखित गर्ग मिस्टर एवं पार्थवरी पटेल मिस चुनी गई। छात्र अरमाना खान को वर्षभर लगातार हेलमेट पहनकर आने एवं अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करने के कारण प्रोत्साहन स्वरूप हेलमेट प्रदान किया गया। प्रधानाचार्या ने 12वीं के विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति सजग होकर कार्य करने का आह्वान किया।

नामांकन के लिए घर-घर प्रचार

विद्यालय में सत्र 2017-18 में अधिकाधिक बच्चों के नामांकन हो, इस उद्देश्य से विद्यालय के शिक्षकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से सम्पर्क किया। उन्होंने स्थानीय विद्यालय की विशेषताओं एवं सुविधाओं से अवगत कराते हुए उनके बच्चों को विद्या भवन पब्लिक स्कूल में दाखिला लेने हेतु प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने अम्बामाता, देवाली, बड़गांव, नीमचमाता, हनुमान कॉलोनी, बड़ी गांव आदि क्षेत्रों में जाकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

...पृष्ठ 3 का शेष

जूनियर विभाग

अध्यापक-अभिभावक दिवस पर अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणाम एवं विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास के बारे में चर्चा की गई। विद्यार्थियों की अमरखजी एवं पुरोहितों का तालाब पर पिकनिक रखी गई। वहां उन्होंने खेल खेले। विज्ञान सप्ताह के अंतिम दिन विज्ञान प्रयोग प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने जल, वायु, मेगनेट, दाब, ताप, वाष्पोत्सर्जन, विद्युत आदि से जुड़े प्रयोगों को प्रदर्शित किया। तनीषा कुँवर देवड़ा, जगदीश मेघवाल तथा तनिषा वैष्णव प्रथम रहीं।

नर्सरी विभाग

मकर संक्रांति पर्व पर बच्चे रंगीन वेशभूषा में आए। आधे दिन बच्चों ने आर्ट/क्राफ्ट का काम किया एवं आधे दिन आउटडोर गेम्स खेले। विद्यालय में यलो-डे सेलीब्रेट किया गया साथ ही पेरेन्ट्स मीटिंग हुई जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। बच्चे खाने में भी अधिकांश पीले रंग की वस्तुए लाये एवं बच्चों को 'खमण ढोकला' एवं मेंगो बाईट चॉकलेट बांटी गई। बच्चों के स्तरानुकूल ड्राइंग कम्पीटीशन रखा गया। शोर्ट-डे कार्यक्रम के तहत बच्चों ने खरगोश दौड़, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, तीन टांग, रिंग रेस व कछुआ दौड़ में भाग लिया।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

68वाँ गणतंत्र दिवस

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में 68वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने ध्वजारोहण करते हुए कहा कि नई शताब्दी में समाज व राष्ट्र के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामना करना होगा। महाविद्यालय निदेशक डॉ. टी.पी. शर्मा ने विद्या भवन सोसायटी की 14 संस्थाओं से पधारे हुए अतिथियों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। संस्थान में वर्षपर्यन्त शिक्षा व खेल जगत में अग्रणी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुती दी गई।

गणतंत्र दिवस समारोह

सांस्कृतिक कार्यक्रम "मल्हार-2017"

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट के प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम मल्हार-2017 में मिस्टर एवं मिस वी.बी.आर.आई. हेतु प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप महापौर लोकेश द्विवेदी तथा विशिष्ट अतिथि युधिष्ठिर कुमावत थे। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में सोनाली जांगिड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल गान में सोनु शर्मा व हार्दिक पंचाल, एकल नृत्य में प्रतिभा पंवार व लता कुशवाहा, समूह नृत्य में प्रतिभा ग्रुप एवं सलोनी ग्रुप, समूह गान में डेज़र्ट ग्रुप व रजवाड़ा ग्रुप क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। छात्र संघ अध्यक्ष हेमन्त नगारची सहित समस्त कार्यकारिणी ने अन्य महाविद्यालयों से पधारे छात्र संघ अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत किया। संस्थान निदेशक डॉ. सबा खान ने बताया कि दिपेश चतुर्वेदी मिस्टर व खुशाली शर्मा मिस वी.बी.आर.आई. चुने गए।

शिक्षण में गुणवत्ता पर सेमीनार

महाविद्यालय की इंटरनल क्वालिटी एसोरेंस सेल की ओर से एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। शिक्षण संस्थाओं में गुणवत्ता बढ़ाना विषयक सेमीनार में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की प्रो. कनिका शर्मा एवं प्रो. करूणेश सक्सेना मुख्य वक्ता थे। प्रो. कनिका शर्मा ने 'डिटेल एनालिसिस ऑफ क्वालिटी क्राईटेरिया एण्ड मार्केटिंग पैटर्न ऑफ नेक' विषय पर तथा प्रो. करूणेश सक्सेना ने 'सेल ऑफ आईक्यूएसी इन अचिविंग नैक एक्रेडेशन' विषय पर विचार रखे। सेमीनार मुख्य रूप से आईक्यूएसी की वार्षिक गतिविधि के रूप में आयोजित किया गया। महाविद्यालय के 35 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

इग्नू इंडक्शन कार्यक्रम

सत्र 2017 के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट अध्ययन केन्द्र पर आयोजित किया गया। क्षेत्रीय सह निदेशक डॉ. मुख्तीयार अली ने दूरस्थ शिक्षा में इंडक्शन कार्यक्रम की उपयोगिता तथा इस कार्यक्रम के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा में विद्यार्थियों को आने वाली कठिनाइयों जैसे प्रवेश प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री, पुनः पंजीकरण, परीक्षा फार्म आदि समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुस्तक का प्रकाशन

इतिहास विभाग के व्याख्याता डॉ. समीर व्यास की पुस्तक "वागड़ के स्वतन्त्रता सेनानी" का प्रकाशन हुआ। यह पुस्तक राजस्थान के जनजाति क्षेत्र वागड़ के इतिहास का वर्णन करती हैं। वागड़ क्षेत्र में कई स्वतन्त्रता सेनानी हुए हैं जिनकी आजादी में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

...पृष्ठ 2 का शेष

पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन ने बताया कि विद्या भवन में करीब सात दशक पूर्व से मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रभावित बच्चों को शिक्षा दी जाती रही है। गुणवन्त ने स्कूल सभागार में पैर से एक पेन्टिंग भी बनायी। उन्होंने कहा कि तीन तरह के लोग होते हैं- वे जिन्हें केवल अपने से मतलब है, दूसरे वे जो मन में तो सहानुभूति रखते हैं लेकिन किसी के लिए कुछ नहीं करते और तीसरे वे जो त्याग करते हैं। दूसरों की सेवा में जीवन का मजा लेना चाहिए। वे स्वयं 32 वसंत बीतने के बाद अपने स्कूल आकर हर्षित हैं और यहां मौजूद विद्यार्थियों में देश के नायकों को देखते हैं। स्कूल प्रिंसिपल रेनू जाधव व सोसायटी के एच.आर. एवं लीगल अधिकारी जाहिद मोहम्मद ने गुणवन्त का स्कूल में स्वागत किया। इस मौके पर विद्या भवन विद्या बन्धु संघ की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा भी उपस्थित थीं।

सरल ब्लड बैंक में फेडरेशन ऑफ दिव्यङ्ग वेलफेयर सोसाइटीज की ओर से दिव्यङ्गों के आर्थिक स्वावलंबन पर सेमिनार में उन्होंने पाँच बिंदुओं पर जोर दिया-

1. त्याग की भावना के संग दूसरों की सेवा करें।
2. दिव्याङ्ग आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनें।
3. दिव्यङ्गों के आत्मसम्मान को आहत न करें।
4. जिस प्रकार अत्याचार के खिलाफ कानून है, वैसा दिव्याङ्ग जनों के लिए भी हो।
5. दिव्याङ्ग जनों के लिए राजनैतिक आरक्षण (विधानसभा, संसद में) हो।

रिपोर्टर : हिमालय तहसीन

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

'पॉजिटिव एटिट्यूड' जरूरी

सफलता के शिखर पर टिके रहने के लिए रवैया अच्छा होना चाहिए। एटिट्यूड पॉजिटिव होना प्रमुख एवं प्राथमिक आवश्यकता है। यह विचार पूर्व नौ सेना अधिकारी, लेखक एवं वक्ता कमांडर प्रताप सिंह मेहता ने महाविद्यालय में "एक्सीलेंस इज नॉट स्किल, इट इज एन एटिट्यूड" विषयक कार्यशाला में व्यक्त किये। शिक्षण में अफेक्टिव डोमेन की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक इसके माध्यम से विद्यार्थियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

इण्डस्ट्रियल ऑटोमेशन पर कार्यशाला

इलेक्ट्रोनिक्स विभाग एवं विजन ऑटोमेशन ग्रुप द्वारा आयोजित इंडस्ट्रीयल ऑटोमेशन कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के सेन्सर्स एवं उनकी कंप्यूटर सिस्टम के साथ इंटरफेस करने की तकनीक का प्रशिक्षण लिया। विद्यार्थियों ने रिले पर आधारित सर्किट समस्या 8 पिन 2 पोल थ्रो रिले का प्रयोग करते हुए प्रोक्सिमटी सेन्सर, कांटेक्टर को जोड़ते हुये इंटरफेसिंग द्वारा सेन्सर से ऑब्जेक्ट सेंस पर प्रायोगिक कार्य किया।

'आओ खेलें' कार्यक्रम

कर्नल भूपेन्द्र सिंह राणावत ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में दो दिवसीय खेल 'आओ खेलें' का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में 16 प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। पुरुष वर्ग में दौड़, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलियन थ्रो, लम्बी कूद, तेज साइक्लिंग, स्लो साइक्लिंग, भाला फैंक, चम्मच रेस, तीन टांग दौड़ एवं महिला वर्ग में दौड़, बॉल थ्रो, डिस्कस थ्रो, व डॉज बॉल प्रतियोगिताएं हुई।

कबड्डी मैदान का उद्घाटन

पॉलिटेक्निक में कबड्डी मैदान का उद्घाटन हुआ। जिला कबड्डी संघ के सरंक्षक लोकेन्द्र सिंह ने उद्घाटन किया। उद्घाटन मुकाबले में इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग की टीम विजयी रही।

कार्यशाला में चर्चा करते संभागी एवं विशेषज्ञ

'वरडेन्टम' एक आविष्कारी टूल

हैदराबाद निवासी, 26 वर्षीय रोहित पोथूकुची ने एक ऐसा सोशल नेटवर्किंग प्लेटफोर्म बनाया है जो फेसबुक, वाट्सअप, लिंकडिन, ई.आर.पी. के सम्मिलित फीचर्स वाला है। इस एप की प्रमुख विशेषता किसी भी गतिविधि को लिखित एवं चित्रमय रूप में संग्रहित कर सकना, ट्रेक कर सकना तथा गणना एवं सांख्यिकीय विश्लेषण काम कर सकना है। पॉलिटेक्निक में आयोजित कार्यशाला 'वरडेन्टम- एक आविष्कारी एवं बहुमुखी तकनीकी टूल' पर मुख्य वक्ता भारत, अमेरिका तथा ईस्ट अफ्रीका में महत्त्वपूर्ण दायित्वों पर कार्य कर चुके रोहित के पिता डॉ. विजय पोथूकुची ने बताया कि रोहित को सयुंक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशन्स) में कार्य करते वक्त दिमाग में इसका ख्याल आया। बाद में इसे और अधिक विकसित कर बहुआयामी बनाया गया। भारत के संदर्भ में यह एप इसलिए भी प्रासंगिक है क्योंकि यह बिना इंटरनेट की उपलब्धता के भी चल सकता है। सामाजिक एवं आतंरिक प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, श्रम प्रबंधन में भी यह काफी मददगार साबित हो सकता है। यह एप गूगल प्ले, आइफोन, एन्ड्रॉयड पर फ्री में उपलब्ध है। वरडेन्टम का उपयोग वर्तमान में विकास के कार्य कर रहे अनेक प्रमुख संस्थानों जैसे- रूरल डवलपमेन्ट ट्रस्ट (अनन्तपुर), नीलगिरी आदिवासी वेलफेयर एसोसिऐशन, हेल्प ऐज इंडिया, अमूल एवं आई.एम.डी.सी. आदि द्वारा किया जा रहा है।

स्मार्ट इंडिया हेकाथॉन

संस्था के विद्यार्थियों का ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े हेकाथॉन 'स्मार्ट इंडिया हेकाथॉन' 2017 के ग्रान्ड फिनाले के लिये चयन हुआ। राजस्थान के केवल एक पॉलिटेक्निक-विद्या भवन का ही इसमें चयन हुआ। इस हेकाथॉन का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना है जिसमें लगभग 10,000 छात्रों ने मिलकर 598 समस्याओं का डिजीटल समाधान किया। महाविद्यालय की टीम 'इनोवेटिव बुल्स' के सदस्य यश नागदा (सी. एस., टीम लीडर), वरुण प्रकाश नागदा (आई. टी.), साहिब खान (सी. एस.), दिव्य भटनागर (सी.एस.), दीक्षित सेठिया (सी. एस.) व शिवम सिंह चौहान (आई. टी.) ने प्राध्यापक देवेन्द्र पुरोहित व हेमन्त मेनारिया के मार्गदर्शन में इन्दौर में आयोजित डिजिटल प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता में भाग लिया व स्टील मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चयनित 'मोबाइल एप्लीकेशन टू रिड्यूस पावर थेफ्ट' प्रोग्राम विकसित किया। हेकाथॉन

शेष पृष्ठ 15 पर...

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

पर्यावरण की सुरक्षा व संवर्द्धन जरूरी

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर आयोजित कार्यकर्ताओं की पर्यावरण गोष्ठी में सर्प विशेषज्ञ चमन सिंह चौहन ने कहा कि सभी जीव-जन्तु पर्यावरण को संतुलन करने में अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनकी सुरक्षा व संवर्द्धन अति आवश्यक है। चमन सिंह ने बताया कि सभी सर्प विषैले नहीं होते। हमें उनका संरक्षण करना चाहिये क्योंकि ये किसानो के अच्छे मित्र हैं। चमन सिंह निःस्वार्थ एवं निःशुल्क उदयपुर शहर वासियों को जागरूक कर रहे हैं। विद्या भवन के अध्यक्ष अजय एस. मेहता के सुझाव पर चमन सिंह विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सर्प सम्बन्धी जानकारी प्रदान करेंगे। जिसका एक निश्चित पाठ्यक्रम तैयार कराया जायेगा। इसी क्रम में पक्षी प्रेमी विनय दवे ने बताया कि पक्षियों के लिए प्रकृति साधना केन्द्र स्वर्ग है। जहां विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पक्षी निवास कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह केन्द्र पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित हैं जिसमें सम्पूर्ण जैव-विविधता पाई जाती है।

वन्यजीवों के स्वभाव से सुरक्षा

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र द्वारा गठित नेचर क्लब के अन्तर्गत विद्या भवन शिक्षक महाविद्यालय में एम.एड. व बी.एड. विद्यार्थियों के लिए स्नेक केचर व समाज सेवी चमन सिंह ने वार्ता प्रस्तुत की। वार्ताकार चमनसिंह ने विद्यार्थियों को विभिन्न सर्पों की प्रजातियों तथा उनके पहचानने के लक्षण तथा सुरक्षा सम्बन्धित रोचक तथ्य बताए। कई प्रकार के सर्पों के बारे में प्रोजेक्टर के द्वारा सचित्र विशेष प्रकार की जानकारी प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का भी जवाब दिया।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान परिसर में विशेषज्ञ के साथ पक्षी दर्शन करते विद्यार्थी

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

राजस्थान में प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा हेतु उठाए गए कदम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्चा का निर्माण किया गया है। इनमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मॉड्यूल, गतिविधि पुस्तिका, प्रगति पत्र शामिल हैं। प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मॉड्यूल में गतिविधियों का संकलन है। जिसे पांच आयामों में बांटा गया है। गतिविधि पुस्तिका उम्र और विषय पर आधारित है। किलकार (3-4), उमंग (4-5), तरंग (5-6) प्रत्येक आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए है। सप्ताह में पांच दिन बच्चे इस गतिविधि पुस्तिका में एक दिन में एक सत्र पर कार्य करेंगे। प्रत्येक बच्चे के प्रगति पत्र में बच्चे के सीखने की प्रगति का आकलन होगा और हर महीने की अमवस्या को अभिभावक बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

राजस्थान में नए पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देने के लिए दस दिवसीय खण्ड स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें उपनिदेशक, बाल विकास परियोजना अधिकारी, महिला पर्यवेक्षक, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र की अनुदेशिकाओं तथा आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र की अनुदेशिकाओं द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। विद्या भवन आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र की अनुदेशिका मधु धायभाई व वर्षा चौधरी ने प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा पर विभिन्न परियोजना स्तर पर प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन

क्षेत्रीय उपनिदेशक डॉ. तरू सुराणा, महिला एवं बाल विकास विभाग, उदयपुर ने आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया। डॉ. तरू सुराणा द्वारा विद्या भवन नर्सरी स्कूल की पढ़ाई की बात करते हुए विद्या भवन की प्रशंसा की व अपने बचपन की यादें स्टाफ के साथ साझा की।

प्यार बांटते चलो

प्यार की हर जीवन को आवश्यकता होती है चाहे वह बड़ा हो या छोटा, महिला हो या पुरुष, इंसान हो या जानवर। ऐसा ही अवसर आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र पर देखने में आया। आस-पास घूमने वाले कुत्तों में एक कुत्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर आया। वह काफी भूखा था उसे रोटी-बिस्किट खिलाये चाय पिलाई तो उसे इतना सुकून मिला मानो वह बिना शब्द के ही बयां कर रहा हो। कुछ ही देर बाद उसने जैसे उस जगह की रखवाली करने की ड्यूटी (गाय को भगाते हुए) शुरू कर दी। प्रशिक्षण केन्द्र की यह विशेषता रही है कि यहा हर आने वाले को प्यार ममता व संरक्षण मिलता है।

प्रशिक्षण में भाग लिया

संस्था की अनुदेशिका वर्षा चौधरी ने शिक्षक सहायक सामग्री बनाने हेतु कौशल सम्बन्धी प्रशिक्षण में भाग लिया। यह प्रशिक्षण एनआईपीसीसीडी इंदौर द्वारा आयोजित किया गया। इसमें सदस्यों को आई.एस.एन. आई.पी. तथा खण्ड संदर्भ समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया।

केन्द्र की मधु धायभाई ने "शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार विषय पर

शेष पृष्ठ 12 पर...

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

शिक्षा में अनुसंधान पर कार्यशाला

शिक्षा निदेशक बी. एल. स्वर्णकार ने महाविद्यालय में प्रारंभ हुई दो दिवसीय शिक्षा में 'अनुसंधान पैरामेट्रिक परीक्षण' विषय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में कहा कि सूचनाएं शिक्षा नहीं है। सूचनाओं के इस विस्फोट को कैसे प्रबंधन कर उन्हें अपने उपयोग में ला सके यह महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् प्रो. ए.बी. फाटक ने कहा कि समय-समय पर शोधकर्ताओं के लिए इस तरह का प्रशिक्षण होते रहना चाहिए ताकि शोध की गुणवत्ता बनी रहे। कार्यशाला के पहले दिन केस बड़ौदा के प्रो. आशुतोष बिसवाल तथा प्रो. डी. एन. दानी के सत्र हुए। दूसरे दिन गुजरात विश्व विद्यालय के प्रो. सतीश प्रकाश शुक्ला ने अनुसंधान में कंप्यूटर के अनुप्रयोग तथा प्रो. आर. डी. मूलिया ने एनोवा परिक्षण को वर्कशीट के माध्यम से हल करवाया। केस बड़ौदा के प्रो. आशुतोष बिस्वाल ने एनकोवा पर पॉवरपोइंट प्रस्तुतीकरण किया। कार्यशाला में 135 प्राध्यापक, शोधार्थी एवं एम.एड. के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डीग्री नहीं सीखने पर फोकस करें

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में कॅरियर डे मनाया गया। सुबह के सत्र में बी.एड. और एम.एड. के विद्यार्थियों ने योग और ध्यान का अभ्यास किया तथा कॅरियर चयन पर एक लघु फिल्म देखी। शाम के सत्र में आशुभाषण प्रतियोगिता हुई जिसमें नितिन मेनारिया प्रथम, अश्विनी द्वितीय तथा कार्तिक चौबीसा तृतीय रहे।

संदर्भ पुस्तकें भी पढ़ें

विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में पुस्तकालय विभाग की ओर से पुस्तक मेला लगा। मेले में विद्या भवन के स्कूलों एवं महाविद्यालों के करीब एक हजार विद्यार्थी एवं 200 प्राध्यापकों ने भाग लिया। पुस्तक मेले का उद्घाटन विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य पुस्तकें भी अध्ययन करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से पुस्तकें क्यों पढ़नी चाहिए तथा उन्हें किस तरह की पुस्तकें पसंद है, इस पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छी किताबें भी बताई तथा स्वयं भी खरीदी।

विद्यार्थियों ने बनाया स्कूल का नक्शा

राजकीय माध्यमिक विद्यालय रेलवे ट्रेनिंग के कक्षा 9 के विद्यार्थियों ने उनके विद्यालय का नक्शा बनाया। इसके लिए दिशा निर्धारित की, फीते से माप लिया, संकेत बनाए तथा पैमाने के आधार पर वास्तविक नक्शा तैयार किया। केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. गिरीश शर्मा विद्यालय में कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों के माध्यम से विद्यालय के सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों तथा बी.एड. प्रशिक्षुओं को मानचित्र पठन एवं निर्माण का संबंलन दे रहे हैं। इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए एटलस एवं मानचित्र भी वितरित किए गए ताकि ये नियमित मानचित्र के संपर्क में रहते हुए मानचित्र पठन का कौशल विकसित कर सके। कार्यक्रम के तहत डॉ. फरजाना इरफान, डॉ. विभा देवपुरा विज्ञान विषय में, डॉ. जयदेव पानेरी, डॉ. मुकेश सुखवाल तथा जगदीश आमेटा भाषा में संबंलन दे रहे हैं।

रेलवे ट्रेनिंग स्कूल में वितरित की गई एटलस

गायत्री तथा शेरसिंह चैंपियन

महाविद्यालय की दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता में गायत्री पुरोहित तथा शेरसिंह चौहान चैंपियन रहे। समापन समारोह की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने विद्यार्थियों से संकल्प लिए कि वे महाविद्यालय में आयोजित होने वाली प्रत्येक गतिविधि में भाग लें तथा अपने साथियों को भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। शारीरिक शिक्षक महेन्द्र सिंह खत्री ने बताया कि प्रतियोगिता में बी.एड. एवं एम. एड. के 200 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। प्राध्यापकों की म्यूजिकल रेस में नैना त्रिवेदी विजय रही।

आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला

विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में सीटीई के अन्तर्गत चल रही आपदा प्रबंधन कार्यशाला में राज्य आपदा प्रतिसाद बल (स्टेट डिजास्टर रेस्पोंस फोर्स) द्वारा विभिन्न आपदाओं के समय की जाने वाली राहत एवं बचाव का प्रदर्शन किया। कम्पनी कमांडर राकेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने प्रदर्शन किया। कार्यशाला में मानव जनित व प्राकृतिक आपदाओं तथा उनसे बचाव पर चर्चा की गई। इनमें भूकंप, आग, अतिवृष्टि आदि शामिल थे। इस मौके पर घायल व्यक्ति के प्राथमिक उपचार के बारे में प्रदर्शन से समझाया गया।

जो सीखा है उसे कक्षा तक ले जाए

रमसा के दस दिवसीय गणित एवं अंग्रेजी विषय का आवासीय शिविर में डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही और राजसमंद जिलों से 91 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर ने कहा कि प्रशिक्षण में जो भी सीखा है उसे कक्षा तक ले जाए। हमारी ये जिम्मेदारी है कि आनेवाली पीढ़ी हमसे बहुत कुछ सीखे। सीटीई प्रभारी प्रो. सुषमा तलेसरा ने कहा कि जो कुछ सीखा उसे बच्चों तक पहुंचाया जाए।

अरविन्द के शिक्षा दर्शन पर वार्ता

बालकों में प्रतिभा चमत्कार के रूप में मिलती है। जिस बालक में कोई प्रतिभा

शेष पृष्ठ 10 पर...

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

विद्या भवन संस्थाओं में नये कर्मचारियों की नियुक्ति

विद्या भवन संस्थाओं में निम्नलिखित नये कर्मचारियों की नियुक्ति की गई-

क्र.सं.	नाम कर्मचारी	पद	नियमित/संविदा	संस्था का नाम
1.	निदा असलम	अध्यापिका	संविदा	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
2.	पूजा झा	शोध सहायक	संविदा	वि. भ. शिक्षा संदर्भ केन्द्र
3.	अरूण कुमार	जिला परियोजना संयोजक	संविदा	वि. भ. शिक्षा संदर्भ केन्द
4.	किरण श्रीमाली	प्रधानाध्यापिका	संविदा	विद्या भवन सी. सै. स्कूल (नर्सरी विभाग)
5.	डॉ. ज्योति कंठालिया	व्याख्याता	नियमित	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
6.	महिमा मेसी	अध्यापिका	नियमित	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
7.	फरजाना बानू	अध्यापिका	नियमित-परिविक्षा	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
8.	एन. चौबीसा	अध्यापिका	नियमित-परिविक्षा	विद्या भवन सी.सै.स्कूल

मुख्य संचालक का परिचय

शिक्षा सलाहकार समिति की बैठक में सोसायटी के मुख्य संचालक सूरज जेकब का सभी संस्था प्रमुखों के साथ परिचय करवाया गया। बैठक में शिक्षा सम्बन्धित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

पूर्व विद्यार्थी का अभिनंदन

गुणवन्त सिंह देवल भूतपूर्व विद्यार्थी, विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल का अभिनन्दन किया गया। गुणवंत के दोनो हाथ जन्म से नहीं हैं। वे अपने पैरों की उंगलियों की मदद से वाटर कलर और ऑयल कलर से सुन्दर पेंटिंग बनाकर जीविकोपार्जन करते हैं। उनका संबोधन सभी छात्र/छात्राओं के लिए प्रेरणा दायक रहा।

हॉस्टल वार्डन के साथ बैठक

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने हॉस्टल वार्डन की बैठक ली। बैठक में विद्या भवन के छात्र/छात्राओं के आवास ग्रहों (हॉस्टल) के वार्डन के साथ वार्तालाप में उन्होंने छात्रावास में आवासित छात्रों की सुविधाओं एवं शैक्षणिक प्रगति के बारे में सचेत रहने की सलाह दी।

संगीत क्लब का विचार

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने संस्थाओं में नियुक्त संगीत अध्यापकों के साथ चर्चा की और संगीत क्लब बनाने का विचार रखा। संगीत क्लब के मार्फत संगीत में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को संगीत की विभिन्न विद्याओं में पारंगत होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। भविष्य में संगीत क्लब अपनी प्रस्तुति देकर अपनी पहचान भी बना सकता है।

प्रकृति साधना केन्द्र पर चर्चा

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र के विकास एवं शिक्षक प्रशिक्षण की गतिविधियों के लिए उपयोग करने के विषय में संस्था प्रमुखों एवं विशेषज्ञों के साथ चर्चा की गई। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष ने सभी के विचारों को तनमयता से सुना और उपयोगी कार्यक्रम बनाने के लिए उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थी संचालक मण्डल की बैठक

विद्या भवन प्रशासनिक एवं विद्यार्थी कल्याण (संचालक मण्डल) की बैठक में सभी भागीदारियों ने विद्यार्थियों के लिए शिक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के सुझाव दिए। इस मौके पर कर्मचारी कल्याण कोष की स्थापना का भी विचार किया गया।

कर्मचारियों के मुद्दों पर बातचीत

अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी और विद्या भवन शैक्षणोत्तर कर्मचारी संघ के मध्य सोहार्दपूर्ण वातावरण मे कर्मचारियों से सम्बन्धित मुद्दों पर लाभदायी एवं संतोषजनक बातचीत हुई।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

...पृष्ठ 9 का शेष

या क्षमता है, शिक्षक का यह दायित्व है कि वे उसे विकसित करने का काम करें। अध्यापक बालकों में प्रतिभा का स्वागत करें उसे बढ़ाने में सहायक हो। यह बात विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित 'महर्षि अरविन्द और उनका शिक्षा दर्शन' विषयक प्रसार वार्ता में प्रो. डी. एन. दानी ने कही। उन्होंने कहा कि अरविन्द के अनुसार बालक एक बीज के समान है जिसमें विशाल वृक्ष बनने की क्षमता है। शिक्षक और अभिभावक का कार्य सुविधादाता का है।

पीएसी की बैठक

केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत संचालित सीटीई परियोजना की कार्यक्रम सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक महाविद्यालय में हुई। जिला शिक्षा अधिकारी तथा बीकानेर आई.ए.एस.ई के रीडर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उदयपुर, कोटा, झालावाड़, बारां, बूंदी के जिला शिक्षा अधिकारी, उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला शिक्षा अधिकारी इजहार अहमद ने प्रशिक्षणों में संभागियों की कम संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सीटीई एवं इससे जुड़ी एजेंसियों को वास्तविक रूप से अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

छात्राएँ रही अव्वल

सत्र-2016 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षाओं में निकिता पालीवाल 81.77% के साथ प्रथम, पूनम राव 80.68% के साथ द्वितीय तथा प्रतीक्षा जैन 78.77% के साथ तृतीय स्थान पर रही। महाविद्यालय में आयोजित युगल नृत्य में संगीता आमेटा व सविता राव तथा श्रुतिलेख में संगीता आमेटा प्रथम रही।

प्रतीक्षा द्वितीय

अरावली महाविद्यालय में आयोजित वाद विवाद में द्वितीय वर्ष की प्रतीक्षा जैन द्वितीय रही। निम्बार्क शिक्षक महाविद्यालय में मेवाड़ महामण्डलेश्वर श्री महन्त मुरली मनोहर शरण शास्त्री स्मृति वाद विवाद में महाविद्यालय की की गीता मेघवाल तथा गणपत खटीक को प्रमाण पत्र मिला।

रिस्ट्रक्चरिंग पर्सनालिटी कार्यशाला

डॉ. कुमुद पुरोहित व डॉ. प्रियंका जैन के सान्निध्य में रिस्ट्रक्चरिंग पर्सनालिटी विषयक कार्यशाला हुई। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने 'स्व' के सामर्थ्य, कमजोरियों, विश्वास, पूर्वाग्रहों व जीवन लक्ष्यों पर चिंतन किया।

जीवन प्रजापत शाखा प्रधान

महाविद्यालय के जीवन प्रजापत को विद्या भवन शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष अजय एस. मेहता द्वारा प्रबंध कार्यकारिणी में शाखा प्रधान के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।

समाधान खोजें किशोर

महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. कुमुद पुरोहित द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कविता में "किशोरावस्था से संबधित मुद्दे" विषयक प्रसार वार्ता दी। इस मौके पर उन्होंने प्राध्यापिका सुषमा इण्टोदिया के साथ मिलकर किशोरों को विकट परिस्थिति में समाधान खोजने की शपथ दिलाई।

कमलेश व प्रीतम बेस्ट एथलीट

महाविद्यालय की खेल स्पर्धाओं में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, रिले रेस, चम्मच दौड़, गोला, भाला व तश्तरी फेंक आदि स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया। बेस्ट एथलीट कमलेश पारिख व प्रीतम राठौड़ सहित सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि तथा प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा द्वारा प्रमाण पत्र दिए।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता

प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय के शिक्षा संकाय में आयोजित अध्यापक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "क्रियात्मक अनुसंधान" विषयक वार्ता दी। संकाय सदस्य डॉ. तारा कुमावत तथा डॉ. कुमुद पुरोहित ने प्रतिभागी के रूप में भाग लेकर 'ए' ग्रेड प्राप्त की। डॉ. कंवरराज सुथार, डॉ. तारा कुमावत व डॉ. कुमुद पुरोहित की पाठयक्रम प्रबंधन समिति में भागीदारी रही।

शिक्षा में कला व नाटक कार्यशाला

प्राध्यापक डॉ. मोहनलाल जाट व वीणा लौहार के मार्गदर्शन में 'शिक्षा में नाटक' विषयक कार्यशाला हुई। विद्यार्थियों ने चित्रकला द्वारा प्राकृतिक दृश्य के माध्यम से सृजनात्मक अभिव्यक्ति दी और रंगोली, माण्डने आदि कलात्मक चित्र बनायें। कोलाज विधि से संगीत वाद्ययन्त्रों के चित्र निर्मित किए तथा संगीत संबधी बाल गीत, प्रार्थनाएं लोकगीत पर गायन तथा नवीन रचना निर्माण हुई।

विद्यार्थियों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति

बी.एस.टी.सी. पूर्व परीक्षा संपादित

कोटा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएसटीसी पूर्व परीक्षा में प्राध्यापक डॉ. कंवरराज सुथार ने पर्यवेक्षक के रूप में परीक्षा का सफलता पूर्वक आयोजन करवाया। डॉ. कंवरराज बीएन विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की राजस्थान सोशोलोजिकल एसोसीऐशन द्वारा आयोजित 'सोशल ट्रांसफोर्मेशन एंड डवलपमेंट प्रोसेस इन इंडिया' की कार्यसमिति में सम्मिलित किए गए। उन्होंने मो.सु.वि.वि. के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पत्र वाचन किया। डॉ. कंवरराज सुथार ने पेसिफिक विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के बी.ए. व एम.ए. के कोर्स निर्माण में भाग लिया।

वनशाला में डिजीटल जागरूकता

महाविद्यालय के वनशाला शिविर में विद्यार्थियों ने राजसमन्द क्षेत्र का डिजटलीकरण जागरुकता के संदर्भ में अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने सर्वे में पाया कि करीब 55 प्रतिशत व्यवसायी आईसीटी का प्रयोग करते हैं। लगभग 45 प्रतिशत व्यवसायियों के पास कम्प्यूटर हैं। मात्र 30 प्रतिशत लोग ही डिजीटल इंडिया कार्यक्रम को जानते हैं। किसान सब्सिडी संबंधी जानकारियां मोबाईल सेवाओं से प्राप्त करते हैं। डिजीटल तकनीक के प्रयोग में ई-साक्षरता का अभाव कम्प्यूटर व अन्य आधारभूत सुविधाओं तथा प्रशिक्षित व्यक्तियों की कमी, जागरुकता की कमी, बिजली की कटौती आदि समस्याएं पाई गई ।

इन्टर्नशीप में सराहे गए विद्यार्थी

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का अध्यापन अभ्यास व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों इन्टर्शीप लोयरा, थूर, कविता, चिकलवास, सापेटिया, मदार बड़गांव व विद्या भवन स्कूल रामगिरि में सम्पन्न हुआ। नोडल स्तरीय विज्ञान मेला, नारे लेखन, चार्ट व मॉडल निर्माण, प्रदर्शनी, कृमि दिवस, स्मार्ट क्लास रूम व कम्प्यूटर लेब का व्यवस्थापन, तथा चित्र बनाने, खेल गतिविधियों को नियमित करने तथा कक्षा 9 व 10 में संस्कृत अध्यापन करने हेतु विद्यालयों के प्राचार्य द्वारा प्रशंसा व सराहना प्राप्त की।

प्रतिभा सम्मान समारोह

पूर्व छात्र परिषद, गुरुकुल सखा समिति द्वारा सत्र 2008-09 के विद्यार्थियों के राजकीय तथा अन्य सेवाओं में चयन के लिए सम्मानित किया। अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने उन्हें प्रमाण-पत्र दिए।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

विद्यालय स्थानबद्ध अनुभव कार्यक्रम

बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी शिक्षक 28 दिवसीय विद्यालय स्थानबद्ध अनुभव कार्यक्रम हेतु उनके गृह जिले में शिक्षण कार्य के लिए गए। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को पृथक-पृथक रूप से बीकानेर से प्राप्त नवीन आदेश की प्रति, शिक्षण कार्य के दौरान करणीय कार्यों की सूची, अंक विभाजन प्रपत्र व उपस्थिति पत्र दिए गए। इस सम्बन्ध में महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए गए। विद्यार्थी शिक्षक शिक्षण कार्य में दक्ष हो सके, इसके लिए प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को समस्त विषयों में पाठ-योजना प्रारूप बनवाया गया। इन पाठ-योजनाओं की जांच परिषद् समूह में विषयाध्यापक द्वारा की गई। विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा बनाई गई पाठ योजनाओं में आवश्यक सुधार करवाए गए और पाठ-योजना डायरी में उतारने के निर्देश दिए। विद्यार्थी शिक्षकों को विषयवस्तु से सम्बन्धित अधिगम सामग्री व गतिविधि प्रपत्र निर्मित करना सिखाया गया।

सैद्धान्तिक कक्षाएं

बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष की सैद्धान्तिक कक्षाएं समय विभाग चक्रानुसार संचालित की गई। सैद्धान्तिक कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षक पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक पक्ष से सम्बन्धित सूक्ष्मताओं से रूबरू हुए।

प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम

स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम से सम्बन्धित प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों हेतु प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके अंतर्गत द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों को स्थानबद्ध कार्यक्रम (112 कार्य दिवस) के दौरान प्रत्येक माह की एक निश्चित दिनांक पर दो दिनों हेतु महाविद्यालय में बुलाया गया। महाविद्यालय में परिषद् कालांशों के माध्यम से स्थानबद्ध कार्यक्रम के करणीय कार्यों की जांच की गई। पश्चात् आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी शिक्षकों ने समस्त प्राध्यापकों व साथी सहपाठियों के सम्मुख अपने अनुभवों को साझा किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत हुए एवं भावी गुणवत्ता बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय स्थानबद्ध कार्यक्रम के अन्तर्गत चार बार आयोजित किया गया। शिक्षण कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु विद्यालय स्थानबद्ध कार्यक्रम के पश्चात् विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा प्रत्येक विषय की पाठ-योजनाओं का प्रस्तुतीकरण, सोपानानुसार, अधिगम सामग्री व गतिविधि प्राप्त का उपयोग करते हुए करवाया गया। विषय विशेषज्ञों ने प्रस्तुति सम्बन्धित आवश्यक सुझाव दिए।

सत्रीय कार्य वितरण

बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विषयानुसार सत्रीय कार्य वितरीत किए गए। महाविद्यालय में नवाचार लाते हुए सभी सत्रीय कार्यों को मिलाकर एक स्पाईरल फाईल तैयार करवाई गई। सत्रीय कार्यों को नियमित प्रगति जांचने की जिम्मेदारी परिषद् प्रभारी को परिषद् कालांश में दी गई, जिससे छात्र सत्रीय कार्य सम्बन्धी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकें।

विविध कार्यक्रमों में सहभागिता

मकर संक्रांति कार्यक्रम - संस्थान के मकर संक्रांति कार्यक्रम में बी.एस.टी.सी. विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थी शिक्षकों ने बेसिक उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगिरि में सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बसंत पंचमी उत्सव

बसंत पंचमी उत्सव विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय, देवाली में आयोजित किया गया। उत्सव में बी.एस.टी.सी. परिवार ने भी सहभागिता की। विद्यार्थी शिक्षकों ने कार्यक्रम में अपनी मोहक प्रस्तुतियां दी।

गुरू सखा कार्यक्रम

यह कार्यक्रम गांधीयन शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय रामगिरि में आयोजित किया गया। इस गुरु सखा स्नेह मिलन कार्यक्रम में 2009 तक के बैच में बने राजकीय शिक्षकों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बी.एस.टी.सी. परिवार ने भी सहभागिता की।

शनिवारीय प्रतियोगिता

नाटक प्रतियोगिता- विद्यार्थी शिक्षकों के विषय चयन, अभिनय क्षमता एवं मौखिक अभिव्यक्ति के संयोजन जानने के लिए नाटक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विद्यार्थी शिक्षकों ने समसामयिक व पारम्परिक विषयों पर अभिनय क्षमता के संयोजन के साथ प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। प्रथम स्थान राधाकृष्णन परिषद्, द्वितीय स्थान विवेकानंद व कलाम परिषद् ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

...पृष्ठ 8 का शेष

एनआईपीसीसीडी इंदौर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

रिव्यू मीटिंग में भाग लिया

महिला एवं बाल विकास विभाग, समेकित बाल विकास सेवाएं, जयपुर में आयोजित रिव्यू मीटिंग में संस्था की अनुदेशिका मधु धायभाई ने भाग लिया।

प्रशिक्षण

केन्द्र की और से 4 कार्यकर्ता पुनश्चर्या प्रशिक्षण, 2 सहायिका पुनश्चर्या प्रशिक्षण तथा एक कार्यकर्ता कार्य प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इस प्रकार अब तक कुल 253 प्रशिक्षण आयोजित किए गए जो उदयपुर, सिरोही तथा प्रतापगढ़ जिले में आयोजित किए गए।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

केवीके राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र को जोन द्वितीय के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2016 नई दिल्ली में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह द्वारा किसान उन्नति मेले में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं संस्था प्रमुख डॉ. आनन्द सिंह जोधा को प्रशस्ति पत्र एवं दो लाख पच्चीस हजार रुपये की धनराशि देकर सम्मानित किया गया। केन्द्र को यह पुरस्कार केन्द्र पर टैक्नोपार्क द्वारा किसानों को नवीन तकनीक प्रदान करने, महिला सशक्तीकरण एवं पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया।

चना एवं सरसों के प्रक्षेत्र दिवस

केन्द्र द्वारा किसानों के खेतों पर लगाए गये प्रदर्शनों को ज्यादा कृषको में प्रचारित करने के उद्देश्य से चना एवं सरसों पर प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड-डे) आयोजित किये गये। प्रदर्शन में 165 किसानों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम ग्राम फलीचड़ा खेड़ी में आयोजित हुए जिसमें आस-पास के गांवों के किसानों ने केन्द्र द्वारा प्रदर्शित उन्नत किस्मों का अवलोकन किया। केन्द्र प्रतिवर्ष नई एवं उन्नत किस्मों के प्रदर्शन से मिलने वाले उत्साहवर्धक नतीजो को ज्यादा से ज्यादा कृषकों के बीच पहुंचाने के लक्ष्य से इन प्रक्षेत्र दिवसों का आयोजन करता है जहां किसान स्वयं इनके परिणाम देखकर नई किस्मों को अपना पाते हैं।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों, कृषकों एवं महिला कृषकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों को केन्द्र की कार्ययोजना में सम्मिलित करते हुए कार्य करने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष प्रथम बार केन्द्र के हर वैज्ञानिक द्वारा अपनी-अपनी गतिविधियों का समिति के सम्मुख प्रस्तुतीकरण किया गया।

केन्द्र पर प्रयोजित प्रशिक्षण

राज्य कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में 11 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। समन्वित कृषि प्रणाली पर आधारित इन प्रशिक्षणों से 243 कृषक लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त पशु बांझपन उपचार पर 2 एवं उन्नत कृषि यंत्रो पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिनमें 54 किसानों ने भाग लिया।

सीड हब परियोजना

रबी मौसम 2016-17 में चना की किस्म जी.एन.जी.-1581 एवं जी.एन. जी.-1958 का 40.93 हैक्टेयर क्षेत्रफल में बीजगुणन कार्यक्रम लिया गया। कृषक समुदाय में बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना में किसानों द्वारा उत्पादित उपरोक्त बीज का क्रय केन्द्र द्वारा मण्डी की दर से 10 प्रतिशत अधिक भाव पर खरीदने का निर्णय लिया गया। कृषक नवीनतम् किस्मों की अच्छी उत्पादन क्षमता के साथ-साथ बीज की अच्छी कीमत मिलने से उत्साहित हैं। जायद 2017 में केन्द्र द्वारा मूंग का 200 क्विंटल बीजोत्पादन का लक्ष्य आवंटित किया गया है। इसके लिये उच्च उत्पादन क्षमता वाली मूंग की नवीन किस्म आई. पी.एम. 02-03 का 40 हैक्टेयर क्षेत्रफल हेतु प्रतापगढ़ जिले की धरियावद एवं बांसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील में बुवाई की गई।

पशुपालन पर परीक्षण

केन्द्र को डी.एस.एम. द्वारा "रोविमिक्स केवीके प्रीमिक्स का पशु बांझपन पर प्रभाव" पर परीक्षण कार्यक्रम अनुमोदित किया गया। 75 दिवसीय यह परीक्षण केन्द्र की डेयरी इकाई के अतिरिक्त 2 गांवों- जूनावास व ओरड़ी के कुल 108 गायो पर किया गया। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से पशु बांझपन निवारण था जिसमें विभिन्न पोषक तत्वों एवं हार्मोन के मिश्रणों को तीन श्रेणियों में जांचा गया। परीक्षण के परिणाम काफी उत्साहवर्धक रहें। परीक्षण पूर्व अपर्याप्त पोषण स्तर के कारण जिन पशुओं के बाल भूरे एवं चमड़ी खुरदरी थी, परीक्षण के पश्चात् उन पशुओं की खाल में चमक व स्वास्थ्य में अत्यधिक सुधार देखा गया। हार्मोनल ट्रीटमेन्ट व पोषक तत्वों की संयुक्त श्रेणी में सर्वाधिक 61.10 प्रतिशत पशुओं में गर्भधारण देखा गया। तकरीबन 70 से 80 प्रतिशत पशुओं में संक्रामक रोगो की गिरावट भी देखी गई।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

केन्द्र की नई एवं उन्नत किस्मों का प्रदर्शन करते विशेषज्ञ

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

शिक्षा संबल कार्यक्रम

शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत विद्या भवन शिक्षा सदंर्भ केन्द्र, हिन्दुस्तान जिंक के साथ मिलकर सरकारी विद्यालयों में अकादमिक उन्नयन का कार्य कर रहा है। जनवरी से मार्च माह तक इन विद्यालयों में 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी का कार्य किया गया। शिक्षा केन्द्र द्वारा अंग्रेजी, विज्ञान व गणित की अभ्यास पुस्तिकाएं तैयार की गई और प्रत्येक विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई। कार्यक्रम की ओर से विद्यालयों में नियुक्त किए गए तीनों विषयों के फिल्ड अनुदेशकों द्वारा निरन्तर बच्चों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी करवाई गई। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए समय-समय पर विद्यार्थियों के कक्षा टेस्ट भी लिए गए हैं।

खुशी आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से सेवा मंदिर द्वारा संचालित 'खुशी आंगनवाड़ी' प्रोजेक्ट के तहत चार पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किए गए। प्रशिक्षण द्वारा 154 आंगनवाड़ी संचालिकाओं को केन्द्र पर शाला पूर्व शिक्षा से जुड़े कामों को बेहतर तरीके से कर पाने हेतु प्रशिक्षण किया गया। साथ ही केन्द्र की टीम गिर्वा और झाड़ोल ब्लॉक में 255 आंगनवाड़ियों पर फैसिलिटेटर्स के माध्यम से सीधा सहयोग कर रही है जिसके लिए 5 योजना बैठकें आयोजित की गई और फील्ड के काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु दोनों ब्लॉक्स में 5-5 फील्ड विजिट की गई। इस तिमही के साथ ही प्रोजेक्ट अनुबंध का एक वर्ष पूर्ण हुआ। दोनों संस्थाओं में आगामी वर्षों के काम की योजना हेतु संवाद जारी है।

नर्सरी स्कूल इंटरवेशन

केन्द्र की टीम की मदद से बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें मकर संक्रान्ति और स्पोर्ट्स डे का आयोजन शामिल है। बच्चों ने पंतगें बनाई,

विद्यालयों में नियुक्त फिल्ड अनुदेशकों का प्रशिक्षण

सितोलिया और विभिन्न प्रकार की रेसों में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और सराहनीय प्रदर्शन किया। साथ ही होली पर्व का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में भाग लिया और एक दूसरे को रंग लगाया। इसी दौरान शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन हुआ जहां अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से रूबरू करवाया गया। साथ ही बच्चों का द्वितीय मूल्यांकन भी किया गया जिसके परिणाम बेहतरीन रहे।

ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इण्डिया

केन्द्र की टीम ने स्थानीय टीम के साथ मिलकर झारखण्ड राज्य के दोनों जिलों (रामगढ़ और गोडा) के एक-एक ब्लॉक गोला और पोडैयाहात में शिक्षकों और अभिभावकों को संवाद का मंच देने और बच्चों की गतिविधियों के अवलोकन द्वारा स्कूल से जुड़ाव बनाने के उद्देश्य से 2 बाल मेलों का आयोजन किया। बाल मेले में करीब 500 बच्चो और 150 अभिभावकों ने हिस्सा लिया। साथ ही झारखण्ड की फील्ड टीम की क्षमतावर्द्धन के उद्देश्य से उदयपुर में उनके लिए पांच दिवसीय कार्यशाला में 15 टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस्टर्न यू. पी. प्रोजेक्ट

विद्या भवन को उत्तरप्रदेश राज्य की प्राथमिक कक्षाओं की पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा करनी थी। पुस्तकों की समीक्षा से पहले विद्या भवन ने पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा के क्या-क्या मापदण्ड होंगे उसके आधार बिन्दु बनाए गए और उसके बाद उन मापदण्डों को ध्यान में रखकर कक्षा एक की हिन्दी, गणित, अंग्रेजी और कक्षा तीन की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तक का विश्लेषण कर एक दस्तावेज बनाया गया। और इस दस्तावेज की रिपोर्ट टाटा ट्रस्ट के साथ साझा की गई। मार्च 2016 से मार्च 2017 तक विद्या भवन द्वारा प्रोजेक्ट से संबंधित जो काम फील्ड स्तर पर किया उसकी समीक्ष टाटा ट्रस्ट द्वारा करवाई।

क्यूस्ट एलायंस से अनुबंध

विद्या भवन ने 5 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण किया। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से तीन-चार बातों पर फोकस करके शिक्षकों के साथ काम किया गया। पहला है बच्चों द्वारा भरे गए प्रश्न-पत्रों को शिक्षकों के साथ मिलकर विश्लेषण कर सीखने के क्षेत्रों की पहचान की गई कि बच्चे कहां अच्छा कर रहे हैं और किन क्षेत्रों में बच्चों के साथ अधिक काम करने की आवश्यकता है? दूसरा है, विद्यालय के शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चों के साथ कक्षा-कक्ष में वर्कशीट के माध्यम से काम करना ताकि शिक्षकों की समझ बन पाएं कि इन वर्कशीटों का बच्चों के साथ कैसे इस्तेमाल करें ताकि ज्यादा से ज्यादा पढ़ना-लिखना सीख सके? तीसरा है, शिक्षक खुद बच्चों के लिए वर्कशीट का चयन करें और बच्चों के साथ इस्तेमाल करें

और बच्चों के जवाबों का विश्लेषण कर आगे के लिए वर्कशीट का चयन करे या नई वर्कशीट बनाकर बच्चों के साथ काम करें। और चौथा है सभी बच्चों के लिए विद्यालय में एक पुस्तकालय की स्थापना करें और उसमें सभी बच्चों को बारी-बारी से उसका इस्तेमाल करने का मौका हों। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के बाद सभी की एक समझ बनी कि हमें बच्चों के साथ पढ़ना सीखने और संख्याओं की समझ पर गहनता से काम करने की जरूरत है। और साथ ही शिक्षकों के साथ बच्चों के सीखने की प्रक्रिया, विषयों की प्रकृति इत्यादि मुद्दों पर सतत् संवाद बना रहे ताकि शिक्षक ज्यादा अच्छे से काम कर सकें।

रीडिंग फोरम

केन्द्र अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के कुछ पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यसामग्री के अनुवाद में संलग्न है। इस दौरान एक ऐसा मंच तैयार करने की कोशिश की जा रही है जो उदयपुर में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विविध मुद्दों पर निरन्तर संवाद का मौका दे। इसके लिए केन्द्र द्वारा प्रत्येक माह के आखिरी शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया जाता है जहां किसी प्रासंगिक पर्चे को केन्द्र में रखकर चीजों को समझने की कोशिश की जाती है। उक्त तिमाही में ऐसी ही तीन रीडिंग फोरम का आयोजन किया गया जिनमें 30 सदस्यों ने भागीदारी निभाई।

हजीरा

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा विभिन्न विषयों में बच्चों की समझ को पुख्ता करने के लिए लगभग 1405 बच्चों को भाषा की 2, गणित की 3 और विज्ञान की 2 वर्कशीट करवाई गई। गणितीय अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद के लिए डुम्मस और सुल्तानाबाद स्कूल में मैट्रिक मिजर्स इंवेट आयोजित किए गए जिनमें 276 बच्चों ने भाग लिया। स्कूल से समुदाय का जुड़ाव बनाने हेतु 8 स्कूलों में एस.एम.सी. बैठकें आयोजित की गई। क्षेत्र की आंगनवाड़ी से काम के जुड़ाव के रूप में 2 आंगनवाड़ी प्रशिक्षण आयोजित किए गए जिनमें 22 वर्करों ने हिस्सा लिया। समुदाय के साथ जुड़ाव बनाने के लिहाज से केन्द्र स्वच्छता अभियान, एडोलोसेंट जागृति आदि अभियानों से जुड़ा है और इसी क्रम में वुमन-डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र की 62 महिलाओं ने भागीदारी निभाई। योजनानुसार मोबाइल लाइब्रेरी के नियमित फेरे जारी है जिसमें प्रतिमाह औसतन 450 लड़के, 250 लड़कियां और लगभग 400 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

...पृष्ठ 7 का शेष

में विद्यार्थियों ने छत्तीस घंटे कार्य किया।

नेटवर्किंग पर कार्यशाला'

कम्प्यूटर साइंस एवं इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा 'नेटवर्किंग' पर कार्यशाला में हिताची के भुवनेश शर्मा ने विद्यार्थियों को लेन केबलिंग, लेन केबलिंग में आर.जे. 45 कनेक्शन करना, राउटर का इन्स्टॉलेशन, लेयर-2 स्विच का कन्फिगरेशन, आई.पी. एड्रेसिंग, लेन नेटवर्किंग आदि कार्य सिखाये।

भूकंपरोधी डिजाइन पर वार्ता

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'भूकंपरोधी डिजाइन' पर विद्यार्थियों को संस्था के पूर्व छात्र प्रो. शैलेष चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर एम.बी. एम. इंजीनियरिंग महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा भूकंपरोधी बिल्डिंग व डिजाइन पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई।

तकनीकी भ्रमण

कम्प्यूटर साइंस, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी के विद्यार्थी सिक्योर मीटर्स गए जहां उन्होंने एस.एम.डी. पिक एण्ड प्लेस, प्लेट थ्रू होल, मीटर टेस्टिंग, पेकेजिंग सेक्शन की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने राजस्थान स्टेट माइन्स एवं मिनरल्स् लिमिटेड में एनर्जी जनरशन एवं ट्रांसमिशन यूनिट, रॉक फास्फेट प्लांट, फिल्टर प्लांट, इण्डस्ट्रियल प्रोबेशन प्लांट की जानकारी ली।

फेकल्टी डवलपमेन्ट प्रोग्राम

आई.एम.सी.ओ. एवं कोच ग्रेब ट्रेनिंग प्रा.लि. द्वारा महाविद्यालय की फेकल्टी हेतु आयोजित 'टीचर्स कोचिंग इन लाइफ स्किल्स' पर पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। कोर्स में प्रोब्लम सोल्विंग, सफल व्यक्तित्व, सफलता एवं मानसिक योग्यता, लक्ष्य निर्धारण, पार्श्व एवं विश्लेषणात्मक सोच, नैतिकता, महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल, कम्यूनिकेशन स्किल्स पर चर्चा हुई।

विश्व जल दिवस पर सेमीनार

विश्व जल दिवस पर महाविद्यालय में अपशिष्ट जल के प्रभावी पुनर्उपयोग पर कार्यशाला में सी. एस. आई. आर. ओ. के डॉ. अनुपमा व डॉ. राय कूकना तथा वेस्टर्न सीडनी विश्वविद्यालय के डॉ. बसन्त महेश्वरी ने विभिन्न शोधों व तकनीकों की जानकारी दी।

टेक्नोज़ेस्ट

टेक्नोज़ेस्ट के तहत महाविद्यालय में ट्रेजर हंट, क्विज, रंगोली, मेहंदी, सलाद सज्जा, हेयर स्टाइलिंग, नेल आर्ट, एकल नृत्य, एकल गान प्रतियोगिताएं हुईं। मुख्य अतिथि रविन भार्गव थे। अध्यक्षता अजय एस. मेहता ने की।

कम्यूनिटी डवलपमेन्ट

स्किल डवलपमेन्ट के तहत हाउस वायरिंग, मोटर वाइडिंग व रिपेयरिंग, ए.सी., रेफ्रिजरेशन, मोबाइल रिपेयरिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर व ब्यूटी कल्चर की छः माही निशुल्क ट्रेनिंग में 183 युवक-युवतियों ने लाभ लिया। इसी क्रम में प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना के तहत संस्था कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रोनिक एवं हार्डवेयर, प्लम्बिंग, टेलिकॉम सब सेक्टर हेण्डसेट व आई.टी.-आई.टी.ई. एस. का भी प्रशिक्षण देगा।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

अतीत के झरोखे से

एक-दूसरे को समझना

शिक्षा शास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान प्रो. एफ. क्लार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ लन्दन, इंस्टीट्यूट ऑफ एज्यूकेशन के डायरेक्टर थे। डॉ. मोहन सिंह मेहता उनसे लन्दन में मिले थे। विद्या भवन द्वारा 30 व 40 के दशक में 'बालहित' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता था। 1937 फरवरी माह के 'बालहित' में प्रो. एफ. क्लार्क का लेख प्रकाशित हुआ था, जिसका सारांश यहां प्रस्तुत है।

'जब से मुझे विद्या भवन के प्रेसीडेंट डॉ. मेहता से मिलने का सुअवसर प्राप्त हुआ तभी से मुझको उनके स्कूल के काम और आदर्शों में बड़ी दिलचस्पी है। इस मुलाकात ने मुझ पर जो असर छोड़ा वह अब तक मौजूद है और इसी की वजह से मैंने अपने छोटे से लेख के वास्ते उपर्युक्त शीर्षक चुना है। डॉक्टर मेहता से बातें करने पर यही मालूम होता है कि शिक्षा संबंधी जिस काम में भी इनका हाथ रहेगा उससे इनके देश और समाज को ही फायदा नहीं होगा परन्तु मनुष्य मात्र को इस उथल-पुथल के ज़माने में लाभ पहुंचेगा।

हमारी शिक्षा में ऐसी भावना समा रही है और हम यह विश्वास करते हैं कि अगर लोगों को काफ़ी चालाक बना दिया जाए तो सब बातें ठीक हो जाएं। हम यह भूल जाते हैं कि जब तक मनुष्य की प्रवृत्तियां अच्छी नहीं हैं और उनका ठीक उपयोग नहीं सिखाया जा रहा और जब तक मनुष्य में एक-दूसरे के नाश करने की भावना है तब तक खाली चालाकी बहुत हानिकारक होगी।

हमको सब के साथ हिलमिल कर रहने की कला सीखनी है। इसके सीखे बिना हमारा जिन्दा रहना कठिन है। दुनिया में दो नई बातों के आ जाने से भी इसका सीखना जरूरी हो जाता है। पहली बात यह है कि साइंस की नई-नई ईजादें छोटे से छोटे गांव तक पहुंच गई हैं जिनकी वजह से सीधे-सादे गांव वालों के लिये भी पुराने ढंग से आपस में रहना कठिन हो गया है।

दूसरी बात यह कि हमारे आस-पास रहने वाले ही हमारे पड़ोसी नहीं हैं। हजारों मीलों की दूरी पर रहने वाले भी अब हमारे पड़ोसी हैं। उनके विचारों और कामों का असर हमारी जिन्दगी पर पड़ता है।

जिस दुनिया में हमको मिलजुल कर रहना सीखना है वह कुछ बड़ी अजीब और उलझनों से भरी है। इसी वजह से शिक्षा पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है। जब तक कि हम इस बदली हुई दुनिया में एक-दूसरे को समझने और आपस में मिलजुल कर रहने के तरीके अच्छी तरह नहीं सीखेंगे तब तक हमारा भविष्य अंधकारमय रहेगा।

वास्तविक समस्या ज्ञान वृद्धि की नहीं है परन्तु मिलजुल कर रहना सीखने की है। शिक्षा वही है जो शुरू से उलझनें पैदा ही न होने दे, बच्चे की बढ़ती हुई ताकतों को बराबर बढ़ने का मौका दे, हर बच्चे के वास्ते ठीक जरूरी सामान जुटा दे और ऐसा वातावरण बनाए जिसमें बच्चे की तमाम जरूरतें पूरी हो सकें। ऐसी ही शिक्षा संसार में पूरी शान्ति स्थापित कर सकती है। जैसा कि प्लेटो कह चुका है, 'अगर शुरू से ही शिक्षा मेल-जोल का पाठ नहीं पढ़ा सकती तो हम बाद में भी मेल-जोल से रहना नहीं सीख सकते।'

जहां तक मुझे मालूम है, विद्या भवन इसी अटल सिद्धान्त को अभिव्यक्त करने का यत्न कर रहा है। जिन व्यक्तियों में शुरू से ही इसने इस सुन्दर संगीत का मधुर रस भरा है, चाहे उन व्यक्तियों का दायरा कितना ही तंग हो और उनका ज्ञान कितना ही कम हो वे जब भी एक-दूसरे से मिलेंगे उसी प्रेम से मिलेंगे और मिलजुल कर साथ रह सकेंगे।

अगर विद्या भवन इन्हीं बड़े सिद्धान्तों पर काम कर रहा है और तालीम देने में इन बातों को ध्यान रखता है तो वह लोगों के लिये वास्तव में मोहब्बत और एकता की नींव डाल रहा है। मैं सच्चे दिल से इसके फलने-फूलने की कामना करता हूं।'

प्रस्तुति : डॉ. (श्रीमती) विश्व विजया सिंह

पूर्व प्रधानाध्यापिका- विद्या भवन स्कूल

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479